



डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०) DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

दैनिक जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 07

गीत, संगीत व नृत्य की त्रिवेणी प्रवाहित

48 वां स्थापना दिवस में वीसी प्रो. प्रतिभा गोयल बोलीं, स्किल डेवलपमेंट पर हो रहा कार्य

संस्थानोंका: डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना। सेवानिवृत्त कर्मचारी सम्मानित हुए। गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल, कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण अधिकारी प्रो. नीलम पाठक ने की। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत वायस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा के सेव बाटर, सेव लाइफ के गीत से हुई।

विद्यार्थियों के समूह ने कह दू तुम्हें, ब्या चुप रहूं गीत की प्रस्तुति दी। आस्था त्रिपाठी ने सोलो नृत्य तथा छात्रों के समूह ने श्री गणेश देवा..., प्रस्तुत कर सभी की बाहवाही बटोरी। नाट्य का मंचन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। समूह गायन में बचपन तो गया जबानी भी गई..., की प्रस्तुति हुई। जुबैनीन व श्रेया ने गीत तो दिवारीं सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्तिक लखवानी ने बांसुरी बादन किया। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अवध की शान का मंदिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र



अवध विश्वविद्यालय के स्थानीय विवेकानंद सभागार में स्थापना दिवस के मौके पर संयोगित करती कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल • जागरण

में ज्ञान का पुंज बिखेर रहा है। खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान पूरी तरीके से लागू कर रहे हैं। स्थापित कर रहे हैं। 11 स्वर्ण पदक व बड़ी संख्या में कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। 24 शोध परियोजनाओं पर शिक्षक कार्य कर रहे हैं। बताया सात जिले में 750 महाविद्यालय के जरिए ज्ञान का दीप जला रहा है। यहां सात लाख विद्यार्थी संग्राम सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक बताया। प्रो. नीलम पाठक ने विविह इस वर्ष दीक्षा समारोह में करीब दो लाख उपाधियाँ छात्रों को दी मिलेंगी। 127 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए

जाएंगे। कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरी तरीके से लागू कर रहे हैं। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में ज्यादा रोजगार हासिल हो सकेगा। संविद शिक्षकों को प्रेशर सरकार ने निरंतरता दी है। उन्होंने डा. राममनोहर लोहिया को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक बताया। प्रो. नीलम पाठक ने विविह के शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त कर्मचारी अस्थ

कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने धन्यवाद जापित किया।

इस अवसर पर प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. केके वर्मा, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. अशोक राय, प्रो. फारुख जमाल, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. मृदुला मिश्र सहित अन्य मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 07

अविवि ने नए सिरे से परिभाषित प्रतिष्ठित की ज्ञान की परंपरा

जावनीत श्री वास्तव • अयोध्या

रामनगरी यूँ तो प्राचीन काल से ही ज्ञान, विज्ञान और वैराग्य की नगरी रही है, लेकिन चार मार्च 1975 को स्थापना के साथ ही डा. राममनोहर लोहिया अवधि विवि ने इसे नए सिरे से परिभाषित-प्रतिष्ठित किया। विवि के पहले कुलपति डा. सुरेन्द्र सिंह थे। कुलपति होने से पहले वह अमेरिका के विस्कानासिंग विवि में प्राध्यापक थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमबंती नंदन बहुगुणा ने विवि की स्थापना की। विवि के पहले कुलपति का कैंप कार्यालय पहले लखनऊ में था। वह साताह में दो-तीन दिन ही विवि आते थे और सर्किट हाउस में रुकते थे। विवि के पहले वित्त अधिकारी लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव, प्रथम कुलसचिव रामसूरत, निदेशक डा. सतीशान्द्र सिन्हा व परियोजना अधिकारी के तौर पर डा. एके सिंह की नियुक्ति हुई थी। यह बात कम ही लोगों को ज्ञात होगी कि आरंभ में विवि का संचालन सिविल लाइन में जिलाधिकारी आवास के पास एक भवन में कियाये पर हुआ था। इसके बाद विवि सिविल लाइन में ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित हुआ। दूसरे कुलपति डा. एपी मेहरोत्रा के कार्यकाल में विवि का प्रशासनिक भवन बना। पहले कुलपति का कार्यकाल पांच और दूसरे बीसी का छह वर्ष का था।

शुरुआती दौर में संबद्धता प्रदायी रहे अवधि विवि का आवासीय स्वरूप अब व्यापक स्वरूप ले चुका है। इसमें व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता, गणित, इतिहास, अर्थशास्त्र,

	04	मार्च 1975 को हुई थी विवि की स्थापना
1991	1976	में विवि के नाम से जुड़ा राममनोहर लोहिया का नाम
88	पाठ्यक्रम इस समय विवि में संचालित	में विवि के पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन

छह जिलों में है कार्यक्षेत्र

डा. राममनोहर लोहिया अवधि विवि का कार्यक्षेत्र छह जिलों में है। अयोध्या, अंबेडकरनगर, गोंडा, सुल्तानपुर, बाराबंकी व बहराइच जिले के छह सी से अधिक महाविद्यालय विवि से संबद्ध हैं।

अब तक हुए 22 वीसी

डा. राममनोहर लोहिया अवधि विवि को अब तक 22 कुलपति मिल चुके हैं। वर्तमान कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने गत वर्ष नववर माह में 22वीं कुलपति के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया।

बायोकमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण विभाग नियमित तौर पर संचालित हैं, जबकि अन्य पाठ्यक्रम स्ववित्त पोषित हैं। वर्ष 2000 में विवि के तकनीकी संस्थान की शुरुआत हुई। प्रथम परियोजना अधिकारी रहे डा. एके सिंह बताते हैं कि 80 के दशक में विवि वर्तमान स्थान में स्थानांतरित हुआ था।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 5 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

लोगोंमें श्रीरामजैसी सत्यनिष्टा होड़। लोहिया की सोचथी: प्रो. गोयल

अवधि विवि

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. रामगोपाल लोहिया अवधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवधि की शान का महिन्द्र है। कुलपति प्रो. गोयल ने डॉ. लोहिया का स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे हैं। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागरिकों में शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ. लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों

- विवि का 48वाँ स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया
- कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया



अवधि विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करती कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल।

पर पंहुचे।

यह बातें कुलपति प्रो. गोयल ने

विश्वविद्यालय के 48वाँ स्थापना

दिवस पर विवेकानन्द प्रेक्षागृह में
संस्कृतिक कार्यक्रम एवं सेवानिवृत्त
कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

विद्यार्थियों प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा

अयोध्या। अवधि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर स्वामी विवेकानन्द सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दीक्षांत पद्धतारों के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं विजेता प्रतिभागियों की विभिन्न प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. गोयल व कुलसंविव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने मा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलितकर किया।

कही। उन्होंने कहा कि 48 वर्षों में अवधि विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिर्वित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपबिध्यां संस्थान को एक नई पहचान दिलाएंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं।

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुद्धिमता का होना जरूरी

व्याख्यान

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुद्धिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते हैं।

उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगों के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है। ऐसे लोग ज्यादा बुद्धिमान और चटक दिखते हैं। यह बातें प्रो. मिश्र ने

विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत सप्ताह के तहत विभाग में 'रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल' विषय पर व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए कही।

वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ. आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है। अतिथियों का विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने स्वागत किया। संचालन डॉ. अभिषेक सिंह व प्रो. एसके रायजादा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्रा, अनामिका पाठक स्व अन्य मौजूद रहीं।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

कला और ज्ञान का केंद्र है अवध विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस शनिवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया।

बॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ गीत प्रस्तुत किया। इसी तरह कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अवध की शान का मंदिर है। 48 वर्षों में हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। 24 शोध परियोजनाएं चल रही हैं।

कुलपति ने कहा कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जाएंगी।



अवध विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में स्थापना दिवस पर शनिवार को कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार। -संवाद

इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। बताया कि छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों अरुण कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस मौके पर व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 02

ੴ 2023

अयोध्या

अमृत विचार

www.amrityichar.com

48 वर्ष का हुआ अवधि की शान का मंदिर

धूमधाम से ननाया गया डॉ. रामगणोहर लोहिया अवधि विधि का स्थापना दिवस, सेवानिवृत्त कर्मी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचारः डॉ. रामरामनोहार लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम वेस्ट ब्रिटिश एवं साथ मनवा गया। अवधि विचार के बाहर परिदृश्य का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के मौके पर स्थानीय विदेशीकारों सभाराम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस दिवान संबान्धित कार्यक्रमों का सम्पादित किया गया।



स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती कुलपति प्रतिभा गोयल।

गर्भी सम्मानित
गया। चुवैनूदीन व श्रेष्ठा
द्वारा गीत प्रस्तुत की गई।
दिव्यांशु ने महाराजी
नृत्य प्रस्तुत किया। बाहरी
बादल में कालिक लखवानों ने
सुरुती तान से मंत्रमध्य कर दिया।

अवधि विधि में सांस्कृतिक कार्यक्रम
प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

कुलपति प्रा. प्रियंगा मयस्त कहा कि हामरे विविध लालन ने कला का सीधा रूप व जान का प्रकाश फैलाया है। इसके अन्तर्गत ने पिछले तीनों में कई प्रतीतमान शास्त्रीय रूप दिखाये हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय संस्कृत पर कई कवितामान शास्त्रीय रूप दिखाये हैं। ये बाहर 24 शारीर पायों जनानों पर कार्य चल रहा है। कुलपति ने छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों पर प्रभावाओं की कमी नहीं है। डॉ. रमणमार्थर लोहिया को सम्मान करते हुए कहा कि लोहिया विविधता की हाँने के साथ एक बड़ा गुरु विविधता के समान संस्थापक रहे हैं।

अफसरों के छुटे पसीने, काम के घड़े अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर भिड़े तीन वाहन, दो घायल

अफसरों के न पहुंचने से भड़के

Digitized by srujanika@gmail.com

पायनियर

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 07



लखनऊ, रविवार, 5 मार्च 2023

ग

अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति

संचादाता। अयोध्या

डॉ० राममोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विकेन्द्र सभागार में कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उपानाथ तथा अधिष्ठात्र छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक द्वारा मौं सरस्वती को प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम संवर्पणम् वायस ईंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव बाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र छात्राओं द्वारा कह दू तुहूं, क्या चूप रहूं गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहरी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवाण्णि भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र छात्राओं सधे अभिनन्द द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व ब्रेवा द्वारा गीत प्रस्तुत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध



● विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों का किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का बृंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं जिजान ने इस क्षेत्र को सिचिंचा किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्यूधायां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सञ्चालन है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे हैं। कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधिकारी छात्रों को दी जायेगी।

होने के साथ एक कुशल राजनीति व समाज सुधारक रहे हैं। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागरिकों को केस हो चाहिए उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो।

विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ० लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये। कार्यक्रम में अधिष्ठात्र छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरुण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगबत्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद जापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो० हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० जसवंत सिंह, प्रो० एस-एस मिश्र, प्रो० केंको० वर्मा, प्रो० एसके रायजाता, प्रो० अशोक राय, प्रो० फलख जमाल, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अनुप कुमार, प्रो० गंगा राम मिश्र, प्रो० मुदुला मिश्र, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ० रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो० सहील, प्रो० रमापति मिश्र, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० अवध बिहार सिंह, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० सुरेन्द्र मिश्र, डॉ० दिवाकर त्रिपाठी, डॉ० अनिल कुमार, डॉ० अधिषेक सिंह सहित बड़ी सख्ती में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मीजूद रहे।

इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें औं लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो० गोयल ने डॉ० राममोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 09

धूमधाम से मनाया गया अवधि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

कुलपति बोलीं-दीक्षान्त समारोह में 127 छात्र-छात्राओं को दिया जायेगा स्वर्ण पदक और दो लाख विद्यार्थियों को उपाधियां

स्वतंत्र भारत व्यूरो (अयोध्या)

डॉ० रामनाहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकनंद सभागार में कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमनाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक द्वारा मार्ग सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ञालित के साथ किया। हमारे खिलाड़ी शास्त्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कार्य व उक्त पदक अर्जित किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध पारियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपाधियां



संस्थान को एक नई पहचान दिलायेगी। कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षान्त समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन

के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ शास्त्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। ट्रॉफी गोड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो० गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरुण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को समृद्धि वित्त, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर

सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो० हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० आरके लियारी, प्रो० जसवंत सिंह, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० केंको० बर्मा, प्रो० एसके गयजादा, प्रो० अशोक राय, प्रो० फारूख जमाल, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अन्तु कुमार, प्रो० गंगा राम मिश्र, प्रो० मुहुरा मिश्र, प्रो० शीलेन्द्र बर्मा, प्रो० शीलेन्द्र कुमार, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ० रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मौ० सहील, प्रो० रमापति मिश्र, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० अवधि विहार सिंह, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० सुरेन्द्र मिश्र, डॉ० दिवाकर त्रिपाठी, डॉ० अनिल कुमार, डॉ० अभियंक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

अयोध्या/बाराबंकी

अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल

कुटुंब जागरण व्यरो,
अयोध्या। डॉ० राममोहर लोहिया अवध
। विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना
दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया।
विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद
सभागार में कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल
के कुशल नेतृत्व में सांकेतिक कार्यक्रम
एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्ति
कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।
सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत
कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा
अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० नीलम
पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर
माल्यांपण एवं दीप प्रज्ञवलित के साथ
किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम संव्रप्त्यम
वौयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा
व हर्षित शर्मा ने सेव बाटर सेव लाइफ
के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर
किया। वर्हा छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू
तुहँ, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं का
मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था
त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी
प्रस्तुति दी गई। सास्ति कार्यक्रम में
छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत
गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर
दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सध
० अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन
भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें
बचपन तो गया जवानी भी गई। वर्हा
जुवैनदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तुत की
गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवाशी
सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया।
बारुंगी वादन में कार्तिक लखवानी ने
सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।
सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर
रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो०
प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा
विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र



है। अवध की शान का मन्दिर है। 48
वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र
में ज्ञान का बैंज होकर स्थापित हो चुका
है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय
ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश
फैलाया है वर्हा विज्ञान ने इस क्षेत्र को
सिंचित किया है। विश्वविद्यालय ने
पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित
किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर
पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं।
जिसमें उहोंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत
सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए
हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा
24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल
रहा है। आने वाले समय में इनकी
उपब्यक्ति संस्थान को एक नई पहचान
दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना
विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात
जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750
महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। करीब 7 लाख

विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे हैं।
कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि इस
वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख
उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके
अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च
अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण
पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने
बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन
के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने
साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः
लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों
के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य
किया जा रहा है। टूरिस्ट गाइड का
प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके
अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य
किया जा रहा है। इससे आने वाले समय
में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार
मिल सकेगा। कुलपति प्रो० गोयल ने
शिक्षकों को बधाइ देते हुए बताया कि
विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का
प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप
निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम
में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा
कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की
कमी नहीं है। इहाँ प्रेरित करने के लिए
छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके
लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान
अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई
करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने।
कुलपति प्रो० गोयल ने डॉ० राममोहर
लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि
लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ
एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुध
ारक रहे हैं। लोहिया जी ने कहा था
कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो
चाहिए? उहोंने कहा कि उनमें शिव
जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो।
प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा
हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ०
लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते
हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाइयों पर
जाये।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 01

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना जरूरी: प्रो० एसएस मिश्र

- विवि के गणित एवं
सांख्यिकी विभाग में
व्याख्यान का आयोजन

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध॑
१ विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत
समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह
के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग
में "रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल
कोसेट एवं मैथमेटिकल स्कैल" विषय
पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए
विभागाध्यक्ष प्रो० एसएस मिश्र ने कहा
कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के
साथ बुधिमत्ता का होना बहुत जरूरी
है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते
हैं। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व



बुधिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यक्षता का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगों के मुकाबले ज्यादा पाई जाती

है। कार्यक्रम में बतौर वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ० आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एपीकांडला ग्रन्थि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है। मनुष्य का मस्तिष्क दो

हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमशः स्थित हैं। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डॉ० मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो० एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. पीके द्विवेदी, डा. संदीप रावत, शतिलनी मिश्रा, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

अविवि में धूम-धाम से मनाया गया स्थापना दिवस

कार्यक्रम

लोगों में श्रीराम जैसी सत्य निष्ठा हो : कुलपति प्रो० प्रतिभा

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या।

अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विवि के स्वामी विवेकानन्द सभागार में कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनारों को मजबूर किया। वहीं आत्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा.. भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल



ने कहा कि हमारा विवि कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विवि पौरे क्षेत्र में ज्ञान का कुँज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने डॉ० राममोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे हैं। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागरिकों को कैसा हो चाहिए ? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने

राय, प्रो० फारूख जमाल, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अनूप कुमार, प्रो० गंगा राम मिश्रा, प्रो० मुदुला मिश्रा, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ० रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो० सहील, प्रो॒रमापति मिश्रा, डॉ० पीके छिवेदी, डॉ० अवध बिहार सिंह, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० सुरेन्द्र मिश्रा, डॉ० दिवाकर त्रिपाठी, डॉ० अनिल कुमार, डॉ० अभिषेक सिंह आदि शामिल रहे।

कर दिया। आईईटी के छात्रों ने शूप गायन में ऐसा देश है मेरा. देशभक्ति गीत गाकर श्रोताओं में देशभक्ति का जज्बा भर दिया। सरदार पटेल विभाग के छात्रों ने शूप डांस के द्वारा समाज में बालिकाओं के प्रति कुरीतियों को प्रदर्शित किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में 17 प्रतिभागी एवं समूह नृत्य दो और समूह गीत में 05 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के नियन्त्रिक ड० वंदित पांडेय, ड० मनीष सिंह, ड० कविता पाठक रही। मौके पर कार्यक्रम में संयोजक प्रो० हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि विवि में आत्र-छात्राओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। पढाई के साथ मौका मिलने पर सभी प्रतियोगियों में भाग लेते रहे हैं जिससे व्यक्तित्व का विकास होगा। इस कार्यक्रम में ३० नियमित मिश्रा ड० राकेश कुमार, ड० दीपा सिंह, ड० प्रियंका श्रीवास्तव, ड० कविता श्रीवास्तव, ड० आशीष पटेल, ड० हर्षवर्धन, ड० श्रीष अस्थाना, ड० अंशुमान पाठक, अनुराग सिंह मौजूद रहे।

अविवि में नृत्य कार्यक्रम

का आयोजन

अवध विवि के 27 वें टीक्ष्णत को लेकर र चल रहे दीक्षांत पखवारा के तहत विभिन्न विभागों के आत्र-छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। फर्मेंसी विभाग की छात्रा ने गणेश बंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। उसने महाभारत संवाद पर नृत्य कर श्रोताओं का मन मोह लिया। एमबीए की दिव्यांशी ने ढोल तारा व घर मेरे परदेशीय पर नृत्य करके सबको झूमने पर मजबूर

शांतिमोर्चा

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

रामनौहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ सम्पन्न

देश के नागरिकों में शिव जैसा ज्ञान ,कृष्ण जैसी कला व
प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा होनी चाहिए : कुलपति

(शान्तिमोर्चा संवाद)
अयोध्या, 04 मार्च। डॉ

रामनानोहर लौहिया अवधि विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विकेन्द्रानंद सम्भार में कुलपति प्रोतो प्रतिमा गोयल के कुशल प्रेतोत्तम संभारकार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के संबन्धित कार्यकार्यों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की चुरुआत कुलपति य कुलसंविधान उमानाथ तथा अधिकारी छात्र कल्पणा प्रौढ़ों और युवाओं द्वारा भी मौजूद थी। सरस्वती की प्रतिमा पर मालार्पण एवं विष्णु योगसंझटक के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वधृष्टम योंस इडियो की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेवा बाट सेवा लाइफ के गीत ने दर्शकों ने गुनवनानो को मजबूत किया। वही छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुहूँ, क्या चूप रहूँ ने श्रोताओं को प्रस्तुत कर दिया। इसी क्रम में आखा चिपाडी द्वारा सोले नृत्य का मनोहरी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को मातृ-विभोर कर दिया। नाट्य निष्ठा छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। समृद्ध गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचन तो गया।

विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया गया सम्मानित



वर्षों के डॉ० लोहिया के दिखाए हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

**धूमधाम से मनाया गया अवधि विश्वविद्यालय का 48वां स्थापना
नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल**

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

विवि के स्थापना दिवस पर
सेवानिवृत् कर्मचारियों को
किया गया सम्मानित

अवध कर्मेण वीक
अयोध्या। डॉ. रामपनोहर
लिहिया अवध विभिन्नालय का
19 वां स्थापना दिवस धू-धाम के
स्थान पर उत्तम विद्यालय के
विद्यार्थी विद्यालय के
सभागार में
कुलपति प्रो. प्रतीया गोदल के
कुशल नेतृत्व में साक्षात्
विद्यार्थी एवं विभिन्नालय के
सेवानिवृत्त कर्मचारियों को
सम्मानित किया गया। सास्कृतिक
वायोक्रम को शुभ्राता कुलपति व
कुलपति विद्यालय तथा अधिकारी
ज्ञात कल्याण प्र० नीलम पाठक
मणि भर्मस्त्री को प्रतिमा पर
वायोक्रम एवं दीप विजयलिता
सम्मानित किया। सास्कृतिक कार्यक्रम
सर्वथ्रथम विद्यार्थी विजेता
निश्च शमा व हीनी शमा ने सेव
विद्यालय के लकड़ी के तंत्रज्ञान

वाटर सेव लाइन के गत न देशकों
युग्मनारों को मजबूत किया।
खाली जलाशायाओं द्वारा काम कूट
मर्मने, क्या चूप रहे तो ने श्रोताओं
को मदमस्तक कर दिया। इसी क्रम के
आधार पर धूपांग सोलो नुच के
मनोरोगी प्रस्तुत हो गए।
मास्कलिक कार्पोरेम में छाँड़ों द्वारा
तीव्र गोणश देवा... भर्क गोंत गाकर
दर्दकों को भाव-
भवति कर दिया।
जल अप्रसुत जल-जलाशयों से
अभिवृत द्वारा किया गया। समृह
गायन भी छाँड़ों द्वारा प्रस्तुत किया
गया। जिसमें बचपन तो गया
जवानी भी गई। हाथ जुड़ी-दीन
त्रियों द्वारा गीर्ह प्रस्तुत हो गए। नुच
जैविक जैव-जलाशयों को

के अगले क्रम में दिवारी सिंह ने मल्हारी नृप प्रस्तुत किया। चासुरी वादन में कार्तिक लखवाली ने सुरीली ताट से मंत्रवाचक कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अवधारणा कर रही विश्वविद्यालय की कल्पति प्र० प्रतिभा गोवर्ण ने कहा है कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अध्यक्ष की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवधि विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुँजी होकर प्रसिद्धि पाए जाएंगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाशन कैलाना है वहाँ विज्ञान ने इस शेरों को सिखित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं।



अवधि का 48वां स्थान दिल्ली स्थानेह

प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदम् प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-प्रयोग के बोध में उत्कृष्टता हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है।

दूरित गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के बोध में महाविद्यालय कार्य किया जा रहा है। यससे अब तक सालों में विद्यार्थियों न्याया से न्याया दोनों में अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है।

कायाक्रममें कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए शिक्षावाचक अवधारणा से अधिक विद्यार्थियों न्याया से न्याया का विद्यार्थियों न्याया से न्याया दोनों में अनुरूप सम्प्रकाश। कुलपति और गोविंद ने शिक्षकों का बधाई देते समिति शिक्षाकों का प्रदान समरकार के शासनादेश अनुरूप प्रदान की गई है।

निश्चा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के ढाँ लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊर्जाओं पर जाये। कार्यक्रम में अधिकारित छात्र-कलायण और नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की सैशंकिता जाग्रा करायी।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो ० गोयल द्वारा विधायिकालय के संवादिनीन् कर्मचारियों सम्मानित किया गया। विधायिकालय कुमार मिश्र, रवीन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीबालाचर को स्मृति चिक्क, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुस्तक भेटक सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में घन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय विधायक एवं उद्योगिता विभागाध्यक्ष प्रो ० विहंगम सुरेन्द्र विहंग द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो ० चन्द्र कुमार मिश्र, प्रो ० आरक विहारी, प्रो ० जसवंत सिंह, प्रो ० एसपीसी, प्रो ० केंको वर्मा, प्रो ० एस्के रघुवंश, प्रो ० अशोक याद, प्रो ० फलचंद ज्ञाल, प्रो ० विनोद श्रीबालाचर, प्रो ० अनुभुव कुमार, प्रो ० गोपा गांगा राय मिश्र, प्रो ० मुदुला मिश्र, प्रो ० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो ० शैलेन्द्र कुमार, प्रो ० मिद्दिर्ध शुक्ला, सहायक कल्पसचिव डॉ ० रीमा श्रीबालाचर, सहायक कल्पसचिव मौजू सहाय, प्रो ० रमापाणी मिश्र, डॉ ० पोके दिवेंदी, डॉ ० अवध विहार मिश्र, डॉ ० राजेश विहार, डॉ ० सुरेन्द्र मिश्र, डॉ ० दिवाकर त्रिपाठी, डॉ ० अनिल कुमार, डॉ ० अधिकारी मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रा मोदी रहे।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमता का होना जरूरी : प्रो. एसएस मिश्र

विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में व्याख्यान का आयोजन

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सपाह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में रिलेशनशिप बिट्वीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो० एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगों के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है। कार्यक्रम में बतौर वका वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ० आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है।



दीक्षांत सपाह के तहत आयोजित व्याख्यान

मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमशः स्थित है। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डॉ० मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। इसके लिए सकारात्मक

कार्य करते रहने चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो० एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्र, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

तरुणमित्र

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 05

अवधि विवि का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

अभियान। डॉ रामगोपाल लेहिंदा अवधि विश्वविद्यालय का 48 वां स्नातकोत्तर प्रम-पाठ्य के साथ मन्यवा गया। विश्वविद्यालय के विभागों के संबंधित नामों में कुलपति प्रो प्रतिभा गोवर्ण के कुरुक्षेत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के संवेदनशील कर्मचारियों की सुरक्षा के लिये गोवर्ण के सुरक्षा कुलपति व कुरुक्षेत्र उद्यान तथा अधिकारी ज्ञान कलालय प्रो नीमस पठक द्वारा महाराष्ट्री की प्रतिभा पर ध्वनि द्वारा एवं दीप प्रज्वलित के साथ किया।

सामाजिक कार्यक्रम सर्वधैर्यम विद्यमान इंडिया को विवेता नियन लगा वह हीवंश शर्मा ने सेव वादर सेव वादर के गोत्र में दर्शकों युग्मानों को बदल भवति। वहाँ अज्ञात उत्तरांशों द्वारा कह दृष्टि-पूर्ण, व्याप वृह गौतम ने श्रेत्रात्मकों को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आया चिपाती द्वारा सालें नृत्य का ममोराती प्रस्तुत हो गई। सामाजिक कार्यक्रमों के बाहर कामों छात्रों द्वारा शोभा देने भारी गौतम नागर दर्शकों को भाव-विचार कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्राओं समेत अभिनव द्वारा किया गया। समृह गायन भी उत्तरांशों द्वारा प्रस्तुत हो गया। जिसमें विद्यमान तथा योगी विद्यमान भी नहीं। वही चैत्यनीन व श्रेया द्वारा गौतम प्रस्तुत को हैं। नृत्य के



अगले क्रम में दिवांसी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कातिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अधिकाता कर रही विश्वविद्यालय की कूलपति प्रो. प्रतीता गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अवधि की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवधि विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में जन का दृष्ट होकर स्थापित हो चुका है। कूलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय

ने कला का दौरफक व जान का प्रकाश फैलाया है वहाँ विज्ञान ने इस सेवा को प्रतिसंहित किया है। विश्वविद्यालय ने फिल्मों व वर्षों में कई उत्कृष्ट रुप एवं कठीन वित्तानी ग्राह्य रूप पर कई विभिन्न स्थापनाएँ किए हैं जिसमें उन्हें 11 स्टॉन पटक व बहुत सारे कामकाज व रुक्क पटक अंतिम किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा एवं प्रबोधकों द्वारा प्राप्त कर्मों का धूम राहे है। आगे जाने वाले में इनकी उत्कृष्टविद्या संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी।

कृपापीते ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक वितान विश्वविद्यालय है। इसके परिसर में सभी बनपटों में फैला है। इसमें एक 750 एकड़ी भूमि है। इसमें 7 लाख विद्यार्थी प्रशिक्षण ले सकते हैं। इस विद्यालय की दीक्षाता समाजपाठक दी कर्मण दी उन्नताधिकारी ज्ञानों को दी जाती है। इसके अंतरिक्ष परिवहन विभाग के सचिवाच अंक प्राप्त 127 ज्ञान-ज्ञानों को बढ़ाव देता है। ज्ञानों को जुर्माने वालों का विश्वविद्यालय है।

तरुणमित्र

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 06

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना जरूरी : प्रो. एसएस मिश्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोर्सेंट एवं मैथमेटिकल स्किल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो० एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगों के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है।

कार्यक्रम में बतौर वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ० आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रन्थि भावनात्मक मस्तिष्क



का द्वार है। मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमशः स्थित हैं। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डॉ० मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। इसके लिए

सकारात्मक कार्य करते रहने चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो० एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्र, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 02

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मन मोहा

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवधि परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। उपबिध्यां संस्थान विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम के बोर्ड को एक नई पहचान दिलाएगी। बताया कि इस वर्ष साथ मनाया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को धूमधाम से मना अवधि विवि का स्थापना दिवस

शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत से किया। छात्र-छात्राओं ने कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत से श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। आस्था विपाठी ने सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी। छात्रों ने श्रीगणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय में किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जुबैनूदीन व श्रेया ने गीत प्रस्तृत किया। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बासुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि विवि ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिंचित किया है। शिक्षकों के 24 शोध

राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। स्थापना दिवस पर सम्मानित होने वाले सेवानिवृत्त कर्मियों में अरुण कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमश श्रीवास्तव को स्मृति विष्णु, अंगवस्त्रम, मानस गंध व पुष्प भट्टकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. केके वर्मा, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. अशोक राय, प्रो. फारुख जमाल, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. गंगा राम मिश्रा, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. विजेदु चतुर्वेदी, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, डा. अंशुमान पाठक, सहायक कुलसचिव डा. रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो. सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डा. पीके द्विवेदी, डा. अवधि विहार सिंह, डा. राजेश सिंह, डा. सुरेन्द्र मिश्र, डा. दिवाकर त्रिपाठी, डा. अनिल कुमार, डा. अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।



अवधि विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को सम्मानित कर्तीं कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल।

अवध गाथा

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

- नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल
- विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

अवध गाथा संबोधिता

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिकारियों द्वारा मौसम संस्थानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वौयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दूरुहों, क्या चूप हूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आरथ त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं संघे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा

गीत प्रस्तुत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कार्तिक लखानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अव्यक्तता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला और ज्ञान का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को रिंगित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपलब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे हैं। कुलपति प्रो० गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए रिक्ल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो० गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपलब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैशिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बनें। कुलपति प्रो० गोयल ने डॉ० राममनोहर लोहिया को स्मरण करते



हुए कहा कि लोहिया रवत्रता सेमानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे हैं। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागरिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ० लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलाते हुए एक अनुप कुमार, प्रो० गंगा राम मिश्रा, प्रो० मुदुल मिश्रा, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० अशोक राय, प्रो० फारूख जमाल, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० रोमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव डॉ० रोमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो० सहील, प्रो० रमापति मिश्रा, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० अवध विहार सिंह, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० सुरेन्द्र मिश्रा, डॉ० अनिल कुमार, डॉ० अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

धूमधाम से मनाया गया अवधि विश्वविद्यालय का 48वां स्थापना

नगरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या। डॉ. रामनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव घाट सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुन्जनाने को मजबूर किया। वहाँ छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहू गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी

क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहरी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा...

नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से

अवधि विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुँज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहाँ विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिंचित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कार्तिमान स्थापित किए हैं जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्लियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे हैं।



भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें वचपन तो गया जवानी भी गई। वहाँ जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तुत की गई।

मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। 48 वर्षों में

बीएनटी

दिनांक: 05 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या: 00

स्थापना दिवस

अवधि विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धान के साथ मनाया गया।

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो प्रतिभा गोयल



में दिलोनी सिंह के पालीती तुम प्रस्तुत किया गया है। उसी वाद में कार्यकाल लाभादी के सूचीती तथा नियमपूर्वक कार्य किया गया है।

संस्कृतिकार्यकाली की अवधारणा कर रखी विविधताएँ के कारण भी, जिनमें विवेचन के बाहर या इनका विविधताएँ करना और उनका कार्य केन्द्र है। अवधारणा की तला का मानदण्ड है : ४५ वर्षों में अवधारणितालापन पर्यंत थें तब में उनका विवेचन करना चाहिए तो तुम ही कृपयाकृति के विविधताएँ के कारण कर सकते हो। तब तुम न तब तक प्रस्तुत कर सकते हो। विविधताएँ ये विवेचन की तथा नियमपूर्वक कार्य के विविधताएँ हैं।

पांच प्रतिशत विदि है। इसे बढ़ावे की जिम्मेदारी लेने के लिए यहां पर्यावरण विभाग ने 11 वर्षों में 100 करोड़ रुपये का बजट दिया है। इसके अन्तर्गत विभाग ने विधि-विवरणात्मक संस्करण की तैयारी की है। इसका उद्देश्य यह है कि विधि-विवरणात्मक संस्करण को विद्यार्थी ने आसानी से समझ सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि विधि-विवरणात्मक संस्करण को विद्यार्थी ने आसानी से समझ सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि विधि-विवरणात्मक संस्करण को विद्यार्थी ने आसानी से समझ सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि विधि-विवरणात्मक संस्करण को विद्यार्थी ने आसानी से समझ सकते हैं।

जन्म-पात्र
माता-पापा र
जो और ३
टेक्सासिट प
वर प्रतीक्षण
के बांधे म
अभी वाले १
होंगा गरा
कियाकियाक
सलाह के १
जो वह है। व
में कहा जि
नहीं है। इन
अग्री अब उ
अधिक जान
पहाड़ कहे
कुरुक्षिति
ममाण करो
मन्दिरों होने
मममन्दिरों
इस देख के ३
कहा कि उन
कहा हो। प्र

धैर में लालचिया हासित करने
एवं इस नीति पूरी तरह करने
कर्म है। जोकि इस विकल्प
पर्यावरण का रथ है। ऐसे यहाँ
जो रथ है। इसके अन्तिम
पर्यावरण कार्रवाइय रथ है। इसमें
जल में विद्युतियों जल में जल
में संकरणों जल में जल
में संकरणों कालीन और खेल
के लिए दृष्टि लियोग कर और
समाजेत अनुभव गिरनारा प्रदान
करें। जल में लालचिया
एवं जल कार्यों की कर्मविधि
करने के लिए जल को भी
करें। इसके लिए विद्युतीय अधिकारी
अधिकारियों करें और जल के साथ
एवं लियोग के प्रबलाकारक बनें।
जलविनाश के लिए समर्पण लें।
जल विनाश के लिए लालचिया
माला लें। यह एक जलविनाशित व
जल देही लालचिया जै वै काता वै कि
लालचियों को फैला हो चाहिए। उन्हें
जल लें। जलाम हो। काष की
लालचियों जैसी सामाजिक जीवन

के 48 वर्षों के लिए लेखिका के इन पांच चर्चों हृषि विभिन्नताओं वाले जाते। कविताका में अस्तित्वात् 10 वेस्प यात्रक का विवरणाद्वय वाला था। उसका एक विवरण प्रमुख परम् में कुलशीति छोड़ बैठन द्वारा के में संक्षिप्त वर्णन कर्मचारीहोने वाला। जिसमें अस्त्र धूपारा शिर,
स्त्री विष्णु विष्णु, मधुरांग, एक
स्त्री विष्णु, अस्त्रवान्, वस्त्र
भेट्टकर मम्मानी लिखा गया।
वस्त्रात् उसन् वस्त्रात् उसन् एव
वस्त्रात् प्रोति विष्णु शोष्यता
वस्त्रात् परं प्राप्त विष्णु द्वारा
के लिखी, छोड़ जास्तानि विष्णु, प्रोति
प्रोति कंदको वर्षा, छोड़ एक
माहिती रा, प्रोति पक्षत वर्षा,
वस्त्रात्, प्रोति अन्तु वस्त्रा, प्रोति
वस्त्रात्, प्रोति वस्त्रा, प्रोति
वस्त्रात्, प्रोति वस्त्रा, प्रोति
वस्त्रात्, प्रोति विष्णु द्वारा,
मम्मिन विष्णु द्वारा विष्णु, विष्णु
विष्णु में सही, महाता, वस्त्रा वस्त्रा
वस्त्रा, कम्बली एवं वस्त्र-वस्त्रात्